UNITED NATIONS
INFORMATION CENTRE
FOR INDIA AND BHUTAN

मानवाधिकार दिवस

10 दिसम्बर 2016

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून का संदेश

पिछले एक दशक से अधिक समय से संयुक्त राष्ट्र महासचिव के पद पर रहते हुए मैंने बार-बार संयुक्त राष्ट्र के तीन स्तम्भों की परस्पर निर्भरता का उल्लेख किया है- शांति, सतत् विकास और मानवाधिकार। इन तीनों के मिलन से समावेशन, न्याय, और विधिसम्मत शासन के सिद्धांतों पर आधारित सशक्त और सामंजस्यपूर्ण समाजों की रचना होती है।

मैंने यह भी समझ लिया है कि मानवाधिकार संयुक्त राष्ट्र के कामकाज और पहचान की बुनियाद हैं। हमारी *ह्यूमन राइट्स अप-फ्रंट* पहल इसी समझ की देन है।

दिन-दूने रात चौगुने संघर्षों, बढ़ती मानवीय आवश्यकताओं और नफरत भरे भाषणों की बाढ़ के इस दौर में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा हमें याद दिलाती है कि मानव परिवार के सभी सदस्यों के लिए समान और अमिट अधिकारों को मान्यता, विश्व में स्वतंत्रता, न्याय और शांति की बुनियाद है। हम, कदम-दर-कदम, बराबरी और मानवीय गरिमा के अपने साझे मूल्यों पर आधारित भविष्य की रचना कर सकते हैं।

हाल ही में हमने तमाम शरणार्थियों और प्रवासियों के सामने मौजूद, विदेशियों के प्रति नफरत की आंधी से लड़ने के लिए "टुगैदर" नाम से जो अभियान छेड़ा है , वह भी इसी आस्था पर आधारित है। उग्रवाद का सामना करने, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के प्रति घटते सम्मान की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने और अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने से रोकने के कठोर से कठोर उपायों का सामना कर रहे सामाजिक समूहों को बचाने के लिए भी हमें इसी आस्था की आवश्यकता पड़ेगी।

मानवाधिकारों का सम्मान करना सबके हित में है। मानवाधिकारों का सम्मान करने से हर व्यक्ति खुशहाल होता है, हर समाज में स्थिरता आती है और हमारे परस्पर जुड़े विश्व में सामंजस्य स्थापित होता है।

और यह काम समाज के हर स्तर पर, हर कोई कर सकता है। मानवाधिकारों का सम्मान करना देशों का प्राथमिक दायित्व है। संयुक्त राष्ट्र को, दुनिया भर में अपने साझीदारों के साथ मिलकर मानवाधिकारों की वंचना को रोकने के लिए मज़बूत प्रयास और उनसे जुड़े संकट को उत्पन्न होने से रोकने के लिए बेहतर ढंग से काम करते रहना चाहिए।

हम सब, अपने आसपास के लोगों के मानवाधिकारों को साकार करने के लिए अपने दैनिक जीवन में कुछ न कुछ कर सकते हैं और अवश्य करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार कार्यालय - स्टैंड अप फॉर समवन्स राइट्स टुडे- नाम से जो वैश्विक अभियान शुरु कर रहा है उसके पीछे भी यही शक्ति काम करेगी।

हम चाहे जहां भी हों, हम में से हरेक मानवाधिकारों के हित में काम कर सकता है- अपने आस-पड़ोस में, स्कूल में, सोशल मीडिया पर, घर में और दुनियाभर में खेल के मैदानों में।

आइए हम सब मिलकर किसी के अधिकारों के हित में खड़े हों। आज, कल और हर दिन।

***

55 Lodi Estate, New Delhi-110 003 India
☎ +91-11-24623439, 46532333, Fax: +91-11-24620293
unic.india@unic.org, www.unic.org.in
UNICNewDelhi @UNICDelhi
UN-INDIA CONNECT